प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

परिणाम आधारित शिक्षा पर कार्यशाला प्रारम्भ

पंतनगर। २८ मार्च, २०१८। पंतनगर विश्वविद्यालय के प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के कम्प्यूटर अभियांत्रिकी विभाग द्वारा आज एक 'परिणाम आधारित शिक्षा' विषयक दो-दिवसीय कार्याशाला का आयोजन किया गया जिसके उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि, अधिष्ठाता प्रौद्योगिकी, डा. एच.सी. शर्मा, थे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में नेशनल बोर्ड आफ एक्रेडिटेशन (एनबीए) के विशेषज्ञ तथा अभियांत्रिकी महाविद्यालय, पुणे के डा. एम.एस. सुतोन और प्रो. एस.डी. अगासे एवं सलाहकार राष्ट्रीय परियोजना कार्यान्वयन इकाई, श्री संजीव राठौर, उपस्थित थे। कम्प्यूटर अभियांत्रिकी विभाग के विभागाध्यक्ष, डा. एस.डी. सामन्तरे, भी इस अवसर पर मंचासीन थे। यह कार्यशाला तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम (टीक्यूप) -।।। द्वारा प्रायोजित की जा रही है।

मुख्य अतिथि डा. शर्मा ने कहा कि परिणाम आधारित शिक्षा भारत में स्थित अभियांत्रिकी महाविद्यालयों में तकनीकी शिक्षा को बेहतर बनाने और भारतीय इंजीनियरों को अपने वैश्विक समकक्षों के साथ प्रतिस्पर्धा करने में सहयोग प्रदान करेगी। उन्होंने यह भी आशा प्रकट की कि यह कार्यशाला निश्चित ही विद्यार्थियों और अध्यापकों के लिए महत्वपूर्ण रहेगी।

प्रो. अगासे ने एनबीए के बारे में बताते हुए कहा कि राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड एक सरकारी निकाय है जो पूरे देश में संस्थानों के विभिन्न तकनीकी और व्यावसायिक कार्यक्रमों को प्रमाणित करता है। एनबीए अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी, प्रबंधन, वास्तुकला और फार्मेसी जैसे व्यासायिक कार्यक्रमों की शिक्षा की गुणवत्ता का प्रमाण देने के लिए उत्तरदायी है। उन्होंने बताया कि एनबीए विद्यार्थियों के लिए यह सुनिश्चित करता है कि उनकी शिक्षा उन्हें प्रतिस्पर्धी दुनिया के लिए, रोजगार और उच्चतर अध्ययन दोनों में, आवश्यक कौशल प्रदान करेगी।

डा. सुतोन ने परिणाम आधारित शिक्षा (ओबीई) के बारे में बताते हुए कहा कि यह एक छात्र-केन्द्रित शिक्षा मॉडल है जो परिणामों के माध्यम से छात्रों के प्रदर्शन को मापने पर आधारित है तथा जिसमें ज्ञान, कौशल और व्यवहार शामिल है। उन्होंने यह भी कहा कि ओबीई मॉडल में किसी विशेष अभियांत्रिकी की उपाधि के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल पूर्व निर्धारित होता है और इस कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के सभी आवश्यक मापदण्डों के लिए मूल्यांकन किया जाता है। उन्होंने बताया कि ओबीई तीन मापदण्डों से स्नातक की प्रगति को मापता है, जिनमें कार्यक्रम शैक्षणिक उद्देश्य, कार्यक्रम परिणाम एवं पाठ्यक्रम परिणाम प्रमुख हैं।

श्री राठौर ने कहा कि यह इकाई देश में तकनीकी शिक्षा प्रणाली में सम्पूर्ण गुणवत्ता सुधार के लिए अभिनव परियोजनाओं का निर्माण करती है तथा परियोजनाओं के कार्यान्वयन के समन्वय की निगरानी और समीक्षा के लिए भी कार्य करती है। साथ ही सफल परियोजनाओं के कार्यान्वयन पर प्रशिक्षण कार्यशालाओं का संचालन और शोधों का अध्ययन भी इसके कार्यों में सम्मिलित है।

डा. सामन्तरे ने टीक्यूप के बारे बताते हुए कहा कि यह परियोजना केन्द्र, राज्य और विश्वविद्यालय स्तर पर अभियांत्रिकी शिक्षा, योजनाओं, प्रशासकों और कार्यान्वयन कर्ताओं के लिए व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों को प्रायोजित करता है।

इस कार्यशाला में प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक और विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।